ज्योति कहानी में

बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड

17 – 26 अक्टूबर 2025

यीशु के दृष्टान्तों को जानें, प्रार्थना में बढ़ें, और उसकी ज्योति चमकाएँ!

हिंदू दुनिया के लिए बच्चों की 10 दिन की प्रार्थनाएँ

www.110cities.com

ज्योति कहानी में

बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड

17 – 26 अक्टूबर 2025

आपका स्वागत है ज्योति कहानी में – 2025 में हिंदू दुनिया के लिए 10 दिन की प्रार्थना

लोगों के सामने तुम्हारा प्रकाश ऐसे चमके कि वे तुम्हारे अच्छे कामों को देखें और स्वर्ग में स्थित तुम्हारे परम पिता की महिमा का बखान करें।
— मत्ती 5:16

हमें बहुत खुशी है कि आप यहाँ हैं! यह 10 दिन की प्रार्थना यात्रा हर जगह के सभी बच्चों के लिए बनाई गई है, खासकर 13 साल से कम उम्र के बच्चों और उनके साथ प्रार्थना करने वालों के लिए। हम सब मिलकर यीशु की अद्‌भुत कहानियाँ जानना चाहते हैं और दुनिया भर के विश्वासियों के साथ एकजुट होकर प्रार्थना करना चाहते हैं।

शुक्रवार 17 अक्टूबर से रविवार 26 अक्टूबर तक, इस गाइड का हर दिन एक प्रभावशाली विषय पर केंद्रित होगा – जैसे खोया हुआ, शांति, खजाना, साहस और भविष्य। बच्चे यीशु के किसी एक दृष्टांत को पढ़ेंगे, उस पर मनन करेंगे, एक सरल आत्मा – निर्देशित प्रार्थना करेंगे, और ऐसे मजेदार एक्शन आइडिआज का आनंद लेंगे जो घर पर करें जा सकें। हर दिन एक छोटा सा स्मरणीय पद भी होगा, साथ ही साथ गाने के लिए एक आराधना गीत भी होगा।

आप इस गाइड को सुबह, सोने से पहले या दूसरों के साथ प्रार्थना करते समय व्यक्तिगत या पारिवारिक भक्ति के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका हर पन्ना, रंग, रचनात्मकता और साथ में प्रार्थना में बढ़ने के मौकों से भरा हुआ है।

और यहाँ सच में एक खास बात है – बच्चों की प्रार्थनाएँ प्रार्थना के इस वैश्विक आंदोलन का बड़ा हिस्सा हैं! हर दिन, दुनिया भर के बड़े भी प्रार्थना कर रहे हैं – खासकर हिंदू दुनिया के लिए, कि बच्चे और परिवार, यीशु को जानें, जो दुनिया की असली ज्योति हैं। यह गाइड बच्चों को इन वैश्विक प्रार्थनाओं में शामिल होने के आसान तरीके दिखाने के लिए बनाई गई है, ताकि वे अपनी आवाजें दुनिया भर के विश्वासियों के साथ एकता में उठा सकें।

हमें विश्वास है कि जब बच्चे प्रार्थना करेंगे तो परमेश्वर उनसे और उनके द्वारा बोलेंगे – और जब माता–पिता और बड़े लोग उनके साथ जुड़ेंगे तो यह उन्हें भी प्रेरित करेगा।

तो अपनी बाइबलें पकड़ें और कुछ रंगीन पेन या पेंसिलें, और हो सके तो मजेदार नाश्ते का एक कटोरा... क्योंकि इस अक्टूबर में, हम सब मिलकर यीशु की कहानियों के साथ एक रोमांचक यात्रा पर जा रहे हैं!

जैसा कि यूहन्ना 8:12 हमें याद दिलाता है:
"जगत की ज्योति मैं हूँ। जो मेरे पीछे चलेगा, वह अंधकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।"

चलिए प्रार्थना करें, खेलें और स्तुति करें – सब मिलकर परमेश्वर के बड़े विश्वव्यापी परिवार की तरह!

हमारी प्रार्थना है कि जब आप ये 10 दिन हमारे साथ बिताएँ, तो आप आशीषित और उत्साहित हों।

IPC / 2BC Team

ज्योति कहानी में

बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड
17 – 26 अक्टूबर 2025

सामग्री

		पेज
स्वागत है!		02
हम हिंदू लोगों के लिए प्रार्थना क्यों कर रहे हैं?		04
जस्टिन की कहानी		05
बच्चों के लिए हमारा 2BC विजन		06
B-L-E-S-S- CARD		07
गीत – यीशु दुनिया की रोशनी हैं!		08
चमको! लाइट ऑफ द वर्ड मूवी के लिए प्रार्थना		09
दिन 01 – 17 अक्टूबर: खोया हुआ	(परमेश्वर भटके हुए और दुखी लोगों को खोजता है)	10
दिन 02 – 18 अक्टूबर: भीड़	(यीशु भीड़ में हर व्यक्ति को देखता है)	11
दिन 03 – 19 अक्टूबर: यात्रा	(परमेश्वर घर से दूर काम करने वालों की परवाह करता है)	12
दिन 04 – 20 अक्टूबर: शांति	(यीशु डर और घबराहट के तूफानों को शांत करते हैं।)	13
दिन 05 – 21 अक्टूबर: खजाना	(हर बच्चा परमेश्वर की नजर में अनमोल है)	14
दिन 06 – 22 अक्टूबर: चंगाई	(यीशु वहाँ शांति लाता है जहाँ लोग बँटे हुए हैं)	15
दिन 07 – 23 अक्टूबर: स्वागत	(परमेश्वर का राज्य सबसे अंतिम और सबसे अल्पतम का भी स्वागत करता है)	16
दिन 08 – 24 अक्टूबर: साहस	(यीशु के लिए खड़े होने की ताकत परमेश्वर देते हैं)	17
दिन 09 – 25 अक्टूबर: महत्व	(लड़कियों और लड़कों को प्यार किया जाता है और देखा जाता है)	18
दिन 10 – 26 अक्टूबर: भविष्य	(यीशु युवा दिलों को आशा और खुशी देते हैं)	19
धन्यवाद		20

हम हिंदू लोगों के लिए प्रार्थना क्यों कर रहे हैं?

आप सोच रहे होंगे, “हम इस एडवेंचर के दौरान हर दिन हिंदू लोगों के लिए क्यों प्रार्थना कर रहे हैं?” बहुत अच्छा सवाल है – और इसका जवाब कमाल का है!

आज दुनिया में एक अरब से ज्यादा हिंदू लोग हैं। ज्यादातर भारत और नेपाल में रहते हैं, लेकिन कई और देशों में भी हिंदू परिवार हैं– जैसे UK, USA, केन्या, और शायद आपके आसपास भी। इन रंग–बिरंगे त्योहारों, भीड़भाड़ वाले मंदिरों और रोज की प्रार्थनाओं के पीछे असली लोग हैं – मम्मी–पापा, बच्चे और दादी–दादा – और परमेश्वर उन सबको बहुत प्यार करते हैं।

बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने सभी मनुष्यों को अपनी छवि से बनाया है बनाया है (उत्पत्ति 1:27)। इसका अर्थ है कि प्रत्येक हिंदू बच्चा अद्भुत रूप से रचा गया है और उनके लिए विशेष है। लेकिन बहुत से हिंदू लोग अभी तक यीशु को नहीं जानते, जो संसार की सच्ची ज्योति है। दिवाली के हिंदू त्योहार के दौरान, घर और सड़कें “अंधकार” पर प्रकाश की विजय का जश्न मनाने के लिए दीपों और आतिशबाजी से भर जाती हैं। लेकिन केवल यीशु ही वह सच्चा प्रकाश ला सकते हैं जो कभी बुझता नहीं।

इसीलिए हम प्रार्थना करते हैं! हम परमेश्वर से कहते हैं कि वो हिंदू परिवारों को दिखाएं कि वे उन्हें देखते हैं, उनसे प्यार करते हैं, और उन्होंने अपने बेटे यीशु को उन्हें बचाने के लिए भेजा है।

आपके बड़े भी शायद कुछ बड़ी चीजों के लिए प्रार्थना कर रहे होंगे – जैसे भारत में सुसमाचार फैले, बच्चे यीशु के बारे में सुनें, और पूरे परिवार मिलकर उनका अनुसरण करें। आप भी इसमें शामिल हो सकते हैं, आप छोटे नहीं हैं! जब बच्चे प्रार्थना करते हैं, तो स्वर्ग सुनता है।

इसे ऐसे सोचो जैसे आप एक बड़ी टीम का हिस्सा हो: बड़े लोग प्रार्थना कर रहे हैं, पादरी प्रार्थना कर रहे हैं, दुनिया भर की कलीसियाएँ प्रार्थना कर रही हैं – और आप भी इसमें शामिल हो सकते हो! भगवान को बच्चों की प्रार्थना सुनना बहुत अच्छा लगता है! जब भी आप प्रार्थना करते हैं, आप हिंदू दुनिया में परमेश्वर का प्रकाश फैलाते हैं।

तो जब आप इस एडवेंचर से गुजर रहे हो, याद रखना: आपकी प्रार्थनाएं मायने रखतीं हैं। परमेश्वर आपको सुनते हैं। और आप एक खूबसूरत कहानी लिखने में मदद करते हैं – जिसमें हिंदू बच्चे और परिवार यह समझ पाते हैं कि यीशु उन्हें कितना प्यार करते हैं।

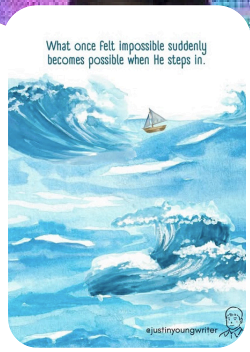

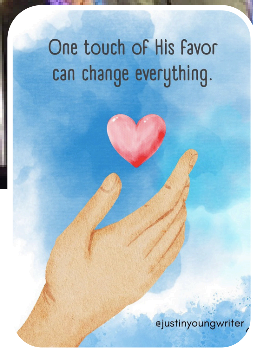

जस्टिन की कहानी

जस्टिन एक बहुत ही टैलेंटेड इंडोनेशियाई युवा लेखक हैं उन्होंने ऑटिज्म, बोलने में दिक्कत और रोज की चुनौतियों को पार करके 8 साल की उम्र में अपनी पहली किताब छपवाई। अपनी मुश्किलों के बावजूद, जस्टिन अपनी लिखाई से दुनिया भर के लोगों को प्रेरित और हिम्मत देकर अपनी चुनौतियों को ताकत बना लेते हैं।

जस्टिन ने हमारे 10 दिन की प्रार्थना मार्गदर्शिका के लिए रोज के विचार और थीम्स लिखे हैं और उसे भरोसा है कि हम सबको इससे आशीर्वाद, सांत्वना और हिम्मत मिलेगी।

जस्टिन को इंस्टाग्राम पर फॉलो करें | जस्टिन की किताब खरीदें | जस्टिन का परिचय

अपने सपनों को कभी मत छोड़ो! मैं हूं जस्टिन गुनावन, इंडोनेशिया से।

आज मैं सपनों के बारे में बात करना चाहता हूं। हर छोटे–बड़े, सभी के सपने होते हैं

मेरा सपना है कि मैं एक वक्ता और लेखक बनूं... लेकिन जिंदगी हमेशा आसान नहीं होती। रास्ता हमेशा साफ नहीं होता।

मुझे वाक् विकार की गंभीर समस्या थी। मैं पांच साल की उम्र तक ठीक से बोल भी नहीं पाया था। घंटों–घंटों की थेरेपी ने मुझे यहां तक पहुंचाया, फिर भी मेरी बोलने में दिक्कत थी।

क्या मुझे कभी खुद पर दया आती है?

क्या मैं खुद के लिए दुखी होता हूं?
क्या मैं कभी अपने सपने छोड़ देता हूं?

नहीं!! इससे मैं और भी ज्यादा मेहनत करता हूं।

सच बताऊं तो, कभी–कभी हां।

कभी–कभी मैं अपनी हालत से परेशान, थका हुआ और थोड़ा निराश हो सकता हूं।

तो मैं आमतौर पर क्या करता हूं? गहरी सांस लेता हूं,सुस्ता लेता हूँ और आराम करता हूँ।
लेकिन कभी हार नहीं मानता!

जस्टिन गुनावन (15)

जस्टिन को जरूर बताएं कि आपको कैसे हिम्मत मिली – यहाँ

जस्टिन के बारे में और जानें...

जस्टिन को दो साल की उम्र में ऑटिज्म डायग्नोज हुआ था। वह पांच साल तक बोल नहीं पाया। उसे हर हफ्ते 40 घंटे थेरेपी करनी पड़ती थी। 15 स्कूलों ने उसे एडमिशन नहीं दिया, फिर आखिरकार एक स्कूल मिला। सात साल की उम्र में उसकी लिखने की क्षमता सिर्फ 0.1 प्रतिशत आंकी गई थी, लेकिन उसकी मां ने उसे पेंसिल पकड़ना और लिखना सिखाने में बहुत मेहनत की। आठ साल की उम्र में जस्टिन की राइटिंग एक राष्ट्रीय प्रकाशक ने छापी।

बोलने में दिक्कत और ऑटिज्म के रोज के संघर्षों के बावजूद, जस्टिन अपनी लिखाई का उपयोग दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करने और हिम्मत देने के लिए करते हैं और इस तरह से अपनी चुनौतियों को ताकत बना लेता है। उनकी राइटिंग इंस्टाग्राम पर देख सकते हैं।
@justinyoungwriter, जहां वह अपनी यात्रा साझा करते हैं और दुनिया भर के लोगों से जुड़ते हैं।

हमारा 2BC विजन बच्चों के लिए

ज्योति कहानी में
बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड
17 – 26 अक्टूबर 2025

हमारी प्रार्थना है कि इस मार्गदर्शिका के जरिए हम देखेंगे...

- बच्चे अपने स्वर्गीय पिता की आवाज सुनें
- बच्चे मसीह में अपनी पहचान जानें
- परमेश्वर की आत्मा से सामर्थ पाकर बच्चे दूसरों के साथ उनका प्यार बांटें।

2 BILLION CHILDREN

हमसे मिलें www-2bc-world पर

B.L.E.S.S. कार्ड

प्रार्थना करने के 5

हर दिन 5 मिनट निकालें और 5 लोगों के नाम लेकर प्रार्थना करें जिन्हें यीशु की जरूरत है

1.
2.
3.
4.
5.

प्रार्थना करने के तरीके

1. पिता, उन्हें अपने बेटे यीशु के पास खींच ले आयें। (यूहन्ना 6:44)
2. पिता, उनकी आत्मिक अंधता दूर करें ताकि वे सुसमाचार पर विश्वास कर सकें (2 कुरिं. 4:4; प्रेरितों 16:14)।
3. पिता, उन्हें पश्चाताप का वरदान दें ताकि वे अपने पापों से मुड़ सकें (यूहन्ना 16:8; 2 तीमु. 2:25-26)।
4. पिता, मुझे मौके और हिम्मत दें ताकि मैं उनके साथ सुसमाचार बाँट सकूं (कुल. 4:3-4; प्रेरितों 4:29-31)।
5. पिता, कृपया उन्हें और उनके पूरे परिवार को बचा लें (प्रेरितों 16:31)।

अपने जीवन के द्वारा उनके साथ यीशु को बांटें

यह B.L.E.S.S. जीवनशैली

बिगिन विद प्रेयर | लिसिन टू देम | ईट विद देम | सर्व देम | शेयर जीसस विद देम

pray for all

www.prayforall.com

ज्योति कहानी में

बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड
17 – 26 अक्टूबर 2025

JESUS IS THE LIGHT OF THE WORLD!

YouTube पर साथ में गाओ!

हमारा शानदार थीम सॉन्ग पेश है, जो इस 2BC बच्चों की प्रार्थना गाइड के साथ मिलता है!

यीशु जगत की ज्योति है।

कोरस:
क्लैप, क्लैप, क्लैप योर हैंड्स!
स्टैम्प, स्टैम्प, स्टैम्प योर फीट!
शाइन शाइन सो ब्राइट!
जीसस इज द लाइट ऑफ द वर्ड
(दोहरायें)

अंतरा 1
वेन आई फील लॉस्ट, यू काम एन्ड फाइंड मी,
वेन स्टॉर्म्स आर लाऊड योर पीस इज नियर।
यू मेक में स्ट्रांग यू ऑल्वेज गाइड मी,
योर वर्ड इस ट्रेजर आई होल्ड नियर!

कोरस x 2

अंतरा 2
आप सबका स्वागत करते हैं बड़े और छोटे सभी का,
आपका प्यार हर दिन हिम्मत देता है।
जो सुनते हैं, आपका बीज उन दिलों में मजबूत होता है
आपकी ज्योति कभी नहीं बुझेगी।

कोरस x 3

© 2025 – IPC मीडिया / सर्वाधिकार सुरक्षित।

बच्चों को चमकने दें! — “लाइट ऑफ द वर्ल्ड” फिल्म के लिए आराधना और प्रार्थनाएँ

यीशु जगत की ज्योति है।

जब हम प्रार्थना करते हैं, तो सबसे रोमांचक बातों में से एक है कि यीशु जगत की ज्योति है! उनकी ज्योति हर जगह चमकती है। यहाँ तक कि जहाँ अंधेरा है वहाँ भी।

यूहन्ना 8:12 में, यीशु ने कहा: ***“जगत की ज्योति मैं हूँ। जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।”***

इन गर्मियों में, दुनिया भर के कई बच्चे में एक साथ जुड़े। शाइन! — **24 घंटे की आराधना और प्रार्थना में पूरे एक दिन, हर घंटे, बच्चों और परिवारों ने प्रार्थना** और आराधना की, और परमेश्वर से माँगा कि वह नई एनिमेटेड फिल्म **लाइट ऑफ द वर्ल्ड** का इस्तेमाल लाखों बच्चों के दिलों को छूने के लिए करे।

लेकिन प्रार्थना यहीं खत्म नहीं होती! जैसे हम इस प्रार्थना मार्गदर्शिका के साथ गाना सीख रहे हैं — जीसस इज द लाइट ऑफ द वर्ल्ड, वैसे ही हम जब भी मौका मिले, प्रार्थना करके उसका प्रकाश चमका सकते हैं। शायद स्कूल जाने से पहले, चर्च में दोस्तों के साथ, या अपने परिवार के साथ सोने से पहले।

लाइट ऑफ द वर्ल्ड फिल्म यीशु की कहानी उसके सबसे छोटे प्रेरित, यूहन्ना की नजरों से बताती है, जब वह बच्चा था और यीशु का अनुयायी था। यह फिल्म अभी–अभी अमेरिका और कई अन्य देशों के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

संसाधनों, आइडिआज और फिल्म का ट्रेलर देखने के लिए www-2bc-world/shine पर जाएँ। वहाँ आपको आराधना गीत, एक्टिविटी शीट्स और आपके परिवार के लिए प्रार्थना में शामिल होने के तरीके मिलेंगे।

शेन ऐंड शेन के साथ ‘लाइट ऑफ द वर्ल्ड’ मेडले गाओ! या दुनिया भर के बच्चों के साथ सैल्वेशन पोएम सांग “गाओ।”

आओ, हम सब मिलकर उसका प्रकाश चमकाते रहें (मत्ती 5:9) — अपनी प्रार्थनाओं, अपनी बातों और अपनी जिंदगी में — ताकि बहुत सारे बच्चे वह खुशी, आशा और शांति पा सकें जो सिर्फ यीशु देता है!

www.2bc.world/shine

शुक्रवार, 17 अक्टूबर

आज की थीम

खोया हुआ

परमेश्वर भूले-बिसरे और दुखी लोगों को खोजते हैं

स्वागत है, खोजकर्ता! आज से आपकी परमेश्वर के साथ शानदार यात्रा शुरू होती है। तैयार हो जाएँ यह जानने के लिए कि यीशु भारत के लोगों से कितना प्यार करता है और आपकी प्रार्थनाएँ कितनी मायने रखती हैं!

कहानी पढ़ें!

लूका 15:3-7

कहानी का परिचय...

यीशु ने एक कहानी सुनाई जिसमें एक चरवाहे के पास 100 भेड़ें थीं। एक भटक गई और खो गई। चरवाहा 99 सुरक्षित भेड़ों को छोड़कर उस एक को ढूंढने निकल पड़ा। जब उसे वह मिल गई, तो वह इतना खुश हुआ कि उसे अपने कंधों पर उठाकर घर ले आया!

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

क्या आपने कभी खुद को अकेला, भुला हुआ या चुना न गया हुआ महसूस किया है? यीशु कहते हैं कि आप कभी नहीं भुलाए जाते! जैसे चरवाहा अपनी खोई हुई एक भेड़ को ढूंढता है, वैसे ही परमेश्वर हम सबको ढूंढते हैं। इससे पता चलता है कि हम उनके लिए कितने कीमती हैं। स्वर्ग जश्न मनाता है जब एक व्यक्ति भी मिल जाता है!

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

प्यारे खुदाबाप, धन्यवाद कि आप मुझे कभी नहीं भूलते। कृपया हर बच्चे की मदद करें, खासकर वो बच्चे जो अकेला या छूटा हुआ महसूस करते है, ताकि जान सके कि वे आपके लिए कितना खास है। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग भारत में दबे - कुचले और भुला दिए गए लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं – दलित, महिलाएं, प्रवासी और गरीब – कि परमेश्वर का प्यार उन्हें इज्जत और उम्मीद दें।

चलिए प्रार्थना करें

> यीशु, अपने प्यार से भारत के हर भुला दिए गए बच्चे को ऊँचा उठायें।

> प्रभु, गरीबों, दलितों और दबे-कुचलों की न्याय से रक्षा करो।

एक्शन आइडिया:

एक बड़ा सा दिल का चित्र बनायें जिसमें एक भेड़ हो। लिखो: "खुदाबाप मुझसे प्यार करते हैं!" फिर उस बच्चे के लिए प्रार्थना करें जो खुद को अकेला महसूस करता है।

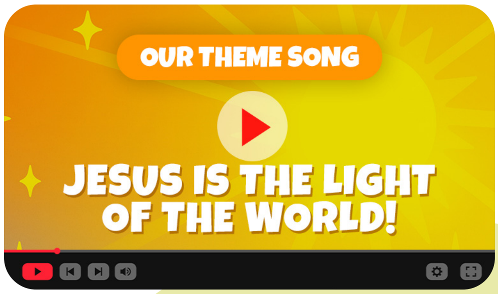

याद करने वाली आयत:

"मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और बचाने आया है।"
– लूका 19:10

आज का गीत:

जस्टिन का विचार

कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं दिखता ही नहीं, जैसे मैं कहीं का नहीं हूं। लेकिन परमेश्वर हमेशा मुझे ढूंढ लेते हैं। वो वही चरवाहा हैं जो उस एक को ढूंढता है। अगर आप किसी को अकेले बैठे देखें, तो शायद आप ही वो दोस्त हैं जिसे परमेश्वर भेज रहे हैं।

दिन 02

शनिवार 18 अक्टूबर

आज की थीम

भीड़

भीड़ में हर व्यक्ति पर यीशु की नजर रहती है।

नमस्कार दोस्त! आज आप ऐसे बच्चों से मिलोगे जो बहुत दूर रहते हैं। हम उनसे मिलकर उनकी दुनिया के बारे में जानेंगे और प्रार्थना करेंगे कि उन्हें यीशु की रौशनी मिले!

कहानी पढ़ें!
यूहन्ना 6:1-14

कहानी का परिचय–
एक बहुत बड़ी भीड़ यीशु के पीछे चल रही थी। सबको भूख लगी थी, लेकिन, एक बच्चे के पास खाना था – पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ। यीशु ने उस खाने को बरकत दी, और सब ने पेट भरकर खाया!

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:
सोचो, हजारों की भीड़ में खड़े हो– ऐसे में खुद को छोटा महसूस करना आसान है। लेकिन यीशु ने उस बच्चे को देखा जिसके पास थोड़ा सा खाना था और उसी से सबको खिला दिया। परमेश्वर सिर्फ भीड़ नहीं देखते, वो हर व्यक्ति को देखते हैं। इसका मतलब वो आपको भी देखते हैं, आपका नाम जानते हैं और आपकी परवाह करते हैं।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।
धन्यवाद यीशु, कि आप मुझे बड़ी भीड़ में भी देख लेते हैं। होने दीजिये कि मैं याद रखूँ कि मैं आपके लिए मायने रखता हूँ। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग भारत की बड़ी भीड़ के बारे में सोच रहे हैं, जहाँ लाखों लोग खुद को अनदेखा महसूस करते हैं। वे प्रार्थना कर रहे हैं कि हर कोई सुसमाचार सुने और यीशु से मिले।

चलिए प्रार्थना करें

> हे प्रभु कृपया भारत की बड़ी भीड़ में हर व्यक्ति को देखें और उम्मीद प्रदान करें।

> यीशु, लोगों से भरे शहरों में आपका सुसमाचार तेजी से प्रकाशित हो।

एक्शन आइडिया:
उन पाँच चीजों (खिलौने, कपड़े, खाना) को गिनें जो आज आपके पास हैं और यीशु का धन्यवाद करें।

याद करने वाली आयत:
"यीशु ने बड़ी भीड़ को देखा और उन पर दया की।"
– मरकुस 6:34

जस्टिन का विचार
भीड़ में कोई भी खुद को छोटा महसूस कर सकता है। लेकिन यीशु कभी किसी एक चेहरे को भी नहीं भूलते। उन्होंने भीड़ में यह भी देख लिया कि उस एक बच्चे के पास खाना है और उससे बहुतों को खिला दिया। आपका छोटा सा काम भी उनके बड़े चमत्कार का हिस्सा बन सकता है।

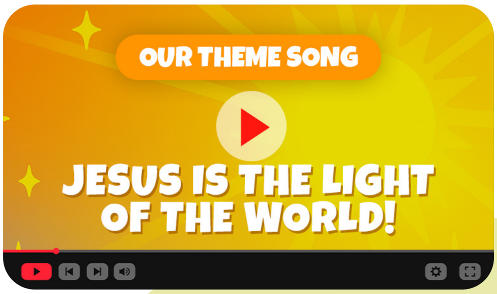

आज का गीत:

दिन 03

रविवार 19 अक्टूबर

आज की थीम

यात्रा

परमेश्वर घर से दूर मजदूरों की परवाह करते हैं

वापस स्वागत है, साहसी यात्री! आज हम रंग–बिरंगे घरों और भीड़भाड़ वाली गलियों में झांकेंगे। चलिए प्रार्थना करें कि हर बच्चा परमेश्वर के आनंद और उम्मीद को महसूस कर सके।

कहानी पढ़ें!
लूका 10:25-37

कहानी का परिचय...
यीशु ने एक आदमी की कहानी सुनाई जो यात्रा पर था और उस पर हमला हुआ। लोग बिना मदद किए निकल गए, लेकिन एक सामरी रुक गया। उसने उस आदमी की देखभाल की, उसके घावों पर पट्टी बांधी और उसे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:
जिंदगी भी एक यात्रा जैसी लगती है – कभी मजेदार कभी कठिन। प्रवासी मजदूर पैसे कमाने के लिए घर से दूर जाते हैं, और अक्सर अकेला महसूस करते हैं। यीशु की कहानी में, अच्छे सामरी ने जरूरतमंद को देखा और मदद की। भगवान दूर घर से गए लोगों की परवाह करते हैं और चाहते हैं कि हम भी ध्यान दें और मदद करें।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।
प्यारे खुदाबाप, मुझे उन लोगों के लिए दयालु बनायें जो घर से दूर महसूस करते हैं। मुझे इतना बहादुर बनायें कि मैं दूसरों की परवाह कर सकूं। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग उन प्रवासी मजदूरों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो घर से दूर काम करने जाते हैं। वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे पीछे छूटे परिवारों की रक्षा करें और उन्हें इज्जत और इंसाफ दिलायें।

चलिए प्रार्थना करें

> प्रभु, उन बच्चों को दिलासा दें जिनके माता–पिता काम के लिए दूर जाते हैं।

> यीशु, प्रवासी के परिवारों की रक्षा करें और उन्हें उम्मीद से भर दें।

एक्शन आइडिया:
अपने परिवार के बाहर किसी के लिए “काइंडनेस कार्ड” बनाओ – जैसे कोई पड़ोसी या टीचर।

याद करने वाली आयत:
“अपने पड़ोसी से वैसे ही प्यार करो जैसे खुद से करते हो।”
– लूका 10:27

जस्टिन का विचार
एक बार मैं स्कूल ट्रिप पर खो गया था। डर लग रहा था, जब तक कोई मदद करने नहीं आया। बहुत से बच्चों को घर से दूर होने का एहसास होता है। हम भी सामरी की तरह दयालुता दिखा सकते हैं। एक मुस्कान या छोटी सी मदद भी उम्मीद ला सकती है।

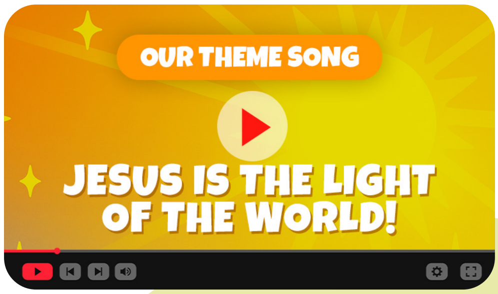

आज का गीत:

दिन 04

सोमवार, 20 अक्टूबर

आज की थीम

शांति

यीशु डर और घबराहट के तूफानों को शांत करते हैं।

नमस्ते चमकते सितारे! आज आप देखेंगे कि आपके जैसे बच्चे स्कूल जाते हैं, खेलते हैं और सपने देखते हैं। चलिए यीशु से प्रार्थना करें कि वो उनके कदमों को सही दिशा दें!

कहानी पढ़ें!

मरकुस 4:35-41

कहानी का परिचय...

एक रात, यीशु के दोस्त नाव में थे तभी एक बड़ा तूफान आया। लहरें टकरा रही थीं और सब डर गए! यीशु उठे और बोले, “चुप हो जाओ! शांत हो जाओ!” और तूफान रुक गया।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

तूफान डरावने होते हैं, और कभी–कभी जिन्दगी में भी ऐसा लगता है कि हमारे अंदर एक तूफान चल रहा है– डर, चिंता या घबराहट हमारे दिल को हिला सकते हैं। लेकिन यीशु हर तूफान से ज्यादा ताकतवर हैं! वो हमारे डर को शांत कर सकते हैं, हमें शांति दे सकते हैं और याद दिला सकते हैं कि हम उनकी मोहब्बत में सुरक्षित हैं।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

प्रभु यीशु, जब मुझे डर लगे तो मुझे शांति देना। धन्यवाद कि आप हर तूफान से ज्यादा ताकतवर हैं। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग उन हिंदुओं के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो डर, घबराहट और चिंता से दबे हुए हैं। वे यीशु से प्रार्थना करते हैं कि वो अपनी मोहब्बत में शांति, हिम्मत और आजादी दें।

चलिए प्रार्थना करें

> यीशु, हिंदू बच्चों के डर को शांत करें और उन्हें अपनी शांति प्रदान करें।

> प्रभु, छुपी हुई घबराहट को चंगा करें और बच्चों को याद कि वे बहुत प्यारे हैं।

एक्शन आइडिया:

बड़ी–बड़ी लहरें बनाओ। फिर ऊपर लिखो “यीशु मुझे शांति देते हैं”।

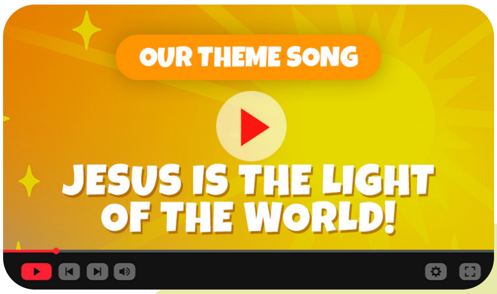

याद करने वाली आयत:

“डरो मत, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ।”

— यशायाह 41:10

आज का गीत:

जस्टिन का विचार

मुझे टेस्ट से पहले या रात को चिंता होती है। जब मैं यीशु से धीरे–धीरे बात करता हूँ, वो मेरे अंदर के तूफान को शांत कर देते हैं। कहें, “यीशु, मैं आप पर भरोसा करता हूँ” उनकी शांति डर से ज्यादा मजबूत हो जाए।

दिन 05

मंगलवार, 21 अक्टूबर

आज की थीम

खजाना

हर बच्चा परमेश्वर की नजर में अनमोल है

नमस्ते खोजी! आज की यात्रा हमें परिवार और दोस्ती की ओर ले जाती है। जब हम प्रार्थना करें, तो सोचें कि परमेश्वर का बड़ा परिवार हर जगह प्यार और हंसी के साथ बढ़ रहा है!

कहानी पढ़ें!

मत्ती 13:44

कहानी का परिचय...

यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य उस खजाने की तरह है जो खेत में छुपा है। एक आदमी ने उसे पाया और सब कुछ बेच दिया ताकि वो खेत खरीद सके और खजाना पा सके।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

किसी बहुत कीमती चीज के बारे में सोचें – जैसे सोना, गहने या कोई दुर्लभ सिक्का। परमेश्वर हमारे बारे में ऐसे ही सोचते हैं! हम उनका खजाना हैं, और उन्होंने हमें बचाने के लिए अपने बेटे यीशु को दे दिया। हर बच्चा – हर देश में – उनके लिए अनमोल है। वो एक भी खोना नहीं चाहते।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

प्यारे पिता, मुझे अपना खजाना समझने के लिए धन्यवाद। मेरी मदद करें कि मैं आपको सबसे ज्यादा महत्व दूँ। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग भारत के कमजोर लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं – बच्चे, विधवा और बुजुर्ग – परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि वो उनकी रक्षा करें, बचाएं और अपने उद्धार के खजाने को प्रकट करें।

चलिए प्रार्थना करें

> हे परमेश्वर, विधवाओं, अनाथों और बुजुर्गों को जतायें कि वे अनमोल हैं।

> यीशु, भारत के कमजोर बच्चों की रक्षा करें और अपने महान खजाने को प्रकट करें।

एक्शन आइडिया:

एक सिक्का या खिलौना छिपायें। किसी को उसे ढूंढने दें, फिर उनसे कहें, "परमेश्वर हमें ऐसे ही ढूंढते हैं!"

याद करने वाली आयत:

"तुम मेरी नजर में अनमोल और सम्मानित हो।"
– यशायाह 43:4

जस्टिन का विचार

मैंने एक बार अपना पसंदीदा मोबाइल खो दिया था और जब मिला तो बहुत खुशी हुई। परमेश्वर हमारे बारे में भी ऐसे ही महसूस करते हैं। हम उनका खजाना हैं। लोगों के साथ भी खजाने जैसा व्यवहार करें – क्योंकि वे उनके लिए अनमोल हैं।

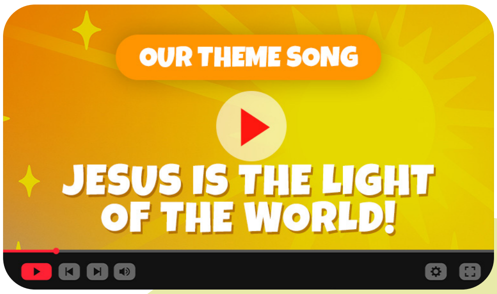

आज का गीत:

दिन 06

बुधवार, 22 अक्टूबर

आज की थीम

चंगाई

यीशु वहां शांति लाते हैं जहाँ लोग बंटे हुए हैं।

स्वागत है, प्रार्थना योद्धा! आज आप सुनेंगे कि बच्चे किन चुनौतियों का सामना करते हैं। चिंता मत करो–परमेश्वर सबसे ताकतवर हैं! आपकी प्रार्थनाएँ उन बच्चों को हिम्मत, दिलासा और शांति दे सकती हैं।

कहानी पढ़ें!

मत्ती 21:28-32

कहानी का परिचय...

एक पिता ने अपने दो बेटों से अपने अंगूर के बाग में काम करने को कहा। एक ने “नहीं” कहा लेकिन बाद में गया; दूसरे ने “हाँ” कहा लेकिन गया नहीं। यीशु ने इस तरह से समझाया कि परमेश्वर की आज्ञा मानना ही सच्ची शांति लाता है।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

कभी–कभी परिवारों में झगड़े होते हैं, दोस्त लड़ते हैं या देश बंट जाते हैं। इससे लोगों को दुख होता है और परमेश्वर का दिल टूटता है। लेकिन यीशु वहां चंगाई लाना पसंद करते हैं जहाँ दर्द है और शांति लाना पसंद करते हैं जहाँ लड़ाई है। वो हमें शांति कराने वाला बनने के लिए बुलाते हैं, ताकि हम अपने शब्दों और कामों से उनकी मोहब्बत दिखा सकें।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

प्रभु यीशु, मेरी मदद करें कि मैं सिर्फ सही बातें न बोलूं बल्कि वही करूँ जो आप कहते हैं। परिवारों में चंगाई और देशों में शांति लाने वाला/वाली बनूँ। आमीन।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग हुए समुदायों में शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वो अपनी दया और सच्चाई से भारत की धरती को हिंसा, नफरत और अन्याय से चंगा करें।

चलिए प्रार्थना करें

> हे प्रभु, बंटे हुए परिवारों में शांति लायें और क्रोधित समुदायों को चंगा करें।

> यीशु, भारत भर में शांति लाने वालों को भेजें ताकि वे आपकी सच्चाई से चमकें।

एक्शन आइडिया:

कागज की चेन बनायें। हर कड़ी पर परिवार या दोस्तों के नाम लिखें, फिर उनके बीच शांति के लिए प्रार्थना करें।

याद करने वाली आयत:

“धन्य हैं वे जो शांति लाते हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएँगे।”
– मत्ती 5:9

जस्टिन का विचार

कभी–कभी जब लोग मुझे नहीं समझते, तो दिल भारी हो जाता है। लेकिन जब कोई प्यार से सुनता है, तो अंदर से राहत मिलती है। यीशु हमारे टूटे हुए हिस्सों को ठीक करते हैं। आप भी उनकी चंगाई का हिस्सा बन सकते हैं – बस ध्यान से सुनें, मुस्कुरायें और प्यार दिखायें।

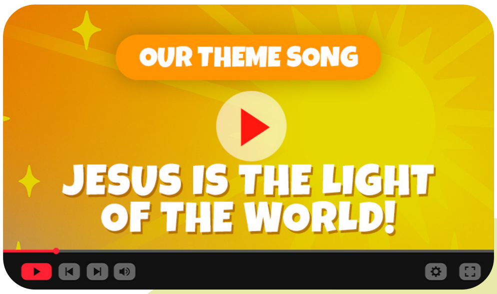

आज का गीत:

दिन 07

गुरुवार, 23 अक्टूबर

आज की थीम

स्वागत है

परमेश्वर का राज्य सबसे आखरी और सबसे छोटे लोगों का भी स्वागत करता है

नमस्ते! आज हम रंग–बिरंगे त्योहारों और समारोहों में शामिल होंगे। कल्पना कीजिए कि दिलों में कितनी खुशियाँ भर जाएँगी–सिर्फ पार्टियों से नहीं, बल्कि दुनिया की सच्ची ज्योति, यीशु से!

कहानी पढ़ें!

लूका 14:15-24

कहानी का परिचय...

एक आदमी ने बड़ा भोज तैयार किया। जब बुलाए गए मेहमान नहीं आए, तो उसने गरीबों, विकलांगों और सड़कों के अनजान लोगों को बुला लिया। परमेश्वर का राज्य भी ऐसा ही है – यहाँ सबका स्वागत है!

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

परमेश्वर अमीर, होशियार या ताकतवर लोगों को नहीं बुलाते। वो सबका स्वागत करते हैं – यहाँ तक कि उन लोगों का भी जो खुद को छोटा समझते हैं। यीशु अपनी मेज पर हर किसी के लिए जगह बनाते हैं। उनके राज्य में कोई “बाहर वाला” नहीं है। आप और मैं, और दुनिया के सारे बच्चे – सबका स्वागत है।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

धन्यवाद पिता, कि आपका राज्य सबके लिए खुला है। मुझे भी सबका स्वागत और प्यार करना सिखायें जैसे आप करते हैं। आमीन।

बड़े लोग

आज बड़े लोग दलितों और जातिवाद से दुखी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वे यीशु से प्रार्थना करते हैं कि उनके राज्य के स्वागत और प्यार से चंगाई, सम्मान और समानता का अधिकार प्राप्त हो।

चलिए प्रार्थना करें

> प्रभु, दलित बच्चों का अपने राज्य के परिवार में खुशी से स्वागत करें।

> यीशु, जाति की दीवारें तोड़ दें और सबको बराबर प्यार दिखायें।

एक्शन आइडिया:

रात के खाने में एक अतिरिक्त जगह रखें, ताकि याद रहे उन बच्चों के लिए प्रार्थना करनी है जो अभी यीशु को नहीं जानते।

याद करने वाली आयत:

“इसलिए एक – दूसरे का वैसे ही स्वागत करो जैसे मसीह ने तुम्हारा किया।”
– रोमियों 15:7

जस्टिन का विचार

अकेला छोड़ दिए जाने का एहसास बहुत दुख देता है। लेकिन जब कोई कहता है, “आओ हमारे साथ शामिल हो जाओ,” तो जैसे जिन्दगी मिल जाती है। परमेश्वर का राज्य भी ऐसा ही है। यीशु सबको बुलाते हैं। इस सप्ताह, किसी ऐसे को आमंत्रित करें जो खुद को बाहरवाला समझता है।

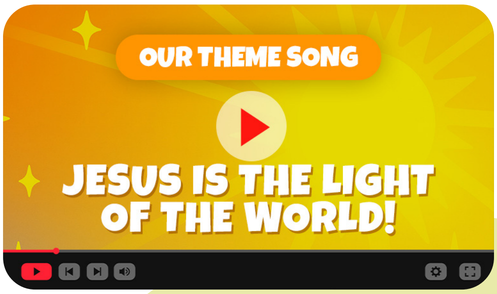

आज का गीतः

दिन 08

शुक्रवार, 24 अक्टूबर

आज की थीम

सामर्थ

परमेश्वर हमें यीशु के लिए खड़े होने की ताकत देते हैं

वापस स्वागत है, मेरे बहादुर मददगार! आज हम जानेंगे कि परमेश्वर का वचन कैसे फैल रहा है। चलिये प्रार्थना करें कि हर बच्चा यीशु के प्यार का सुसमाचार सुने।

कहानी पढ़ें!

मत्ती 7:24-27

कहानी का परिचय...

एक बुद्धिमान आदमी ने अपना घर चट्टान पर बनाया। जब तूफान आया, तो घर मजबूती से खड़ा रहा। एक मूर्ख आदमी ने रेत पर घर बनाया, और उसका घर गिर गया।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

कभी–कभी जिंदगी डगमगाती सी लगती है – जब लोग यीशु का पालन करने पर हमारा मजाक उड़ाते हैं या बुरा बर्ताव करते हैं। लेकिन अगर हम अपनी जिंदगी उनके वचन पर बनाएंगे, तो हम भी चट्टान वाले घर की तरह मजबूत रहेंगे। परमेश्वर हमें हिम्मत देते हैं कि हम मुश्किल में भी डटे रहें।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

प्यारे यीशु, मेरी मदद करें कि मैं अपनी जिन्दगी का निर्माण आपके वचन की चट्टान पर कर सकूं। मुझे सामर्थ दें कि मैं आपका अनुसरण करूँ फिर चाहे वो मुश्किल क्यों न हो! आमीन।

बड़े लोग

आज बड़े लोग भारत में सताए गए विश्वासियों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनका विश्वास मजबूत हो, उनके घाव भरें और यीशु के लिए खड़े होने की सामर्थ मिले।

चलिए प्रार्थना करें

> प्रभु, जब बच्चे मुश्किल में हों तो उनका विश्वास मजबूत करें जो आप पर भरोसा करते हैं।

> यीशु, सताए गए विश्वासियों को विश्वास में मजबूती से खड़े रहने की सामर्थ से भर दें।

एक्शन आइडिया:

ब्लॉक्स या कप्स से एक टॉवर बनायें। जब वो ऊँचा खड़ा हो, तो प्रार्थना करें कि बच्चे भी विश्वास में मजबूती से खड़े हों।

याद करने वाली आयत:

“मजबूत और साहसी बनो... क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ है”
– यहोशू 1:9

जस्टिन का विचार

लोगों के सामने बोलते हुए मुझे घबराहट होती है। शायद आपको भी होती हो। लेकिन हिम्मत का मतलब यह नहीं कि आपको डर नहीं लगता, बल्कि डरते हुए भी परमेश्वर पर भरोसा करना है। यीशु से ताकत की मांग करें, और एक बहादुरी वाला कदम उठायें।

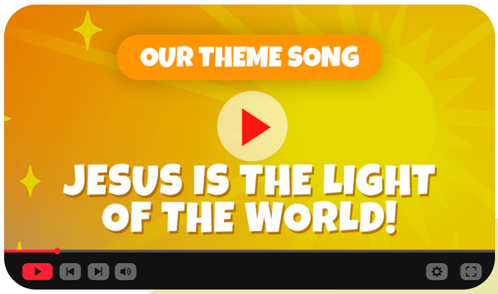

आज का गीत:

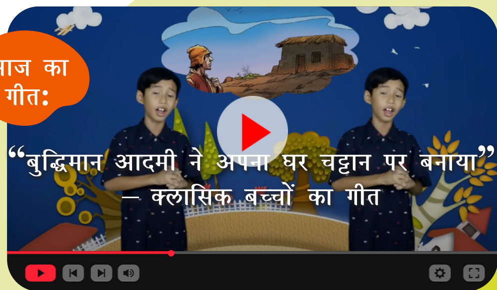

शनिवार, 25 अक्टूबर

आज की थीम

मूल्य

लड़के लड़कियां सब उनके लिए प्रिय हैं और वे सबको देखते हैं।

नमस्ते दोस्त! आज हम देखेंगे कि प्रार्थनाएँ कैसे जिंदगी बदल देतीं हैं। परमेश्वर बच्चों की सुनते हैं, जैसे आप – आपके शब्द किसी की अंधेरी जिंदगी में रौशनी ला सकते हैं!

कहानी पढ़ें!

मत्ती 13:45-46

कहानी का परिचय...

यीशु ने कहा कि स्वर्ग का राज्य उस व्यापारी जैसा है जो सुंदर मोतियों की तलाश में है। जब उसे एक बहुत कीमती मोती मिला, तो उसने सब कुछ बेचकर उसे खरीद लिया।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

हर मोती खास और सुंदर होता है – जैसे हर बच्चा। परमेश्वर के लिए किसी एक बच्चे का मूल्य दुसरे से ज्यादा नहीं है। लड़के–लड़कियाँ, अमीर–गरीब, छोटे–बड़े–सब उनके लिए अनमोल हैं। उनका प्यार हमें बेहद कीमती बना देता है।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

धन्यवाद प्रभु, कि मैं आपके लिए अनमोल हूँ। मेरी भी मद्द करें की मैं दूसरों की कीमत समझ सकूं। आमीन।

बड़े लोग

आज बड़े लोग पूरे भारत की महिलाओं और लड़कियों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें नुकसान से बचाएँ, उनके घाव भरें और मसीह में उनका मूल्य लौटाएँ।

चलिए प्रार्थना करें

> परमेश्वर, लड़कियों और लड़कों को नुकसान और गलत व्यवहार से बचायें।

> यीशु, हर बच्चे को उसका असली मूल्य और अहमियत दिखायें।

एक्शन आइडिया:

कोई चमकदार चीज (जैसे कोई मोती या कंचा) ढूढें। उसे अपने हाथ में पकड़ें और कहें, “हे परमेश्वर, मुझसे प्यार करने के लिए शुक्रिया।”

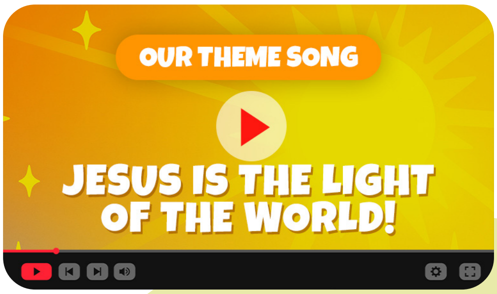

याद करने वाली आयत:

“तुम बहुत सारी चिड़ियों से भी ज्यादा कीमती हो।”
– मत्ती 10:31

आज का गीत:

जस्टिन का विचार

कभी–कभी बच्चों को चिढ़ाया जाता है क्योंकि वे अलग तरह से व्यवहार करते हैं या कुछ ऐसा करते हैं जो बाकी लोग नहीं समझते। इससे बहुत बुरा लग सकता है। लेकिन परमेश्वर कहते हैं कि हर बच्चा अनमोल है, जैसे वो मोती जिसे बदला नहीं जा सकता। अगर आप देखें कि कोई किसी बच्चे को चिढ़ा रहा है, तो आप चाहें तो उस बच्चे के पास बैठ सकते हैं और उससे प्यार से बात कर सकते हैं। इन छोटी–छोटी बातों से प्यार झलकता है और यें उन्हें महसूस करातीं हैं कि वे जैसे हैं, वैसे ही कीमती और प्यारे हैं।

दिन 10

रविवार, 26 अक्टूबर

आज की थीम

भविष्य

यीशु युवा दिलों को उम्मीद और आनंद प्रदान करते हैं

वाह–आपने कर दिखाया! आज हम सब ने जो प्रार्थना की और सीखा, उसका जश्न है। चलिए, साथ मिलकर चमकें और जहाँ भी जाएँ, यीशु की रौशनी बाँटें!

कहानी पढ़ें!

मत्ती 13:1–23

कहानी का परिचय...

एक किसान ने बीज बोए। कुछ बीज रास्ते, पत्थरों और काँटों पर गिरे और नहीं उगे। लेकिन कुछ अच्छी मिट्टी में गिरे और मजबूत और स्वस्थ्य बनकर बड़े हुए। यीशु ने समझाया कि अच्छी मिट्टी वो दिल है जो परमेश्वर के वचन को सुनता है।

चलिए इसके बारे में सोचते हैं:

बीज अच्छी मिट्टी में, पानी और देखभाल के साथ सबसे अच्छा बढ़ते हैं। हमारे दिल भी मिट्टी जैसे हैं – जब हम परमेश्वर के वचन को सुनते हैं, हमारी जिंदगी मजबूत बन जाती है। यीशु युवाओं को भविष्य के लिए उम्मीद और वर्तमान के लिए आनंद प्रदान करते हैं, चाहे वे किसी भी दबाव में हों।

चलिए साथ में प्रार्थना करते हैं।

पवित्र आत्मा, अपना वचन मेरे अंदर गहराई से बोदें ताकि मेरा विश्वास हो मजबूत हो सके। मुझे भविष्य के लिए आनंद और उम्मीद दें। आमीन।

एक्शन आइडिया:

एक गमले में बीज लगायें। जब भी उसे पानी दें, भारत के बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु के प्यार में बढ़ें।

याद करने वाली आयत:

"तू उन्हें पूरी शांति में रखेगा जिनका मन तुझ पर स्थिर है।"
– यशायाह 26:3

जस्टिन का विचार

विश्वास बीज बोने जैसा है। जरा सोचिए, जब आप मिट्टी में बीज बोते हैं; तो आपको पौधा तुरंत दिखाई नहीं देता। आप उसे पानी देते हैं, धूप देते हैं और इंतजार करते हैं। धीरे–धीरे, वह बढ़ने लगता है। विश्वास भी इसी तरह काम करता है। जब आप प्रार्थना करते हैं, बाइबल पढ़ते हैं, या छोटी–छोटी बातों में परमेश्वर पर भरोसा करते हैं, तो आपका विश्वास धीरे–धीरे बढ़ता है। जैसे एक बीज एक मजबूत पेड़ बनता है, वैसे ही परमेश्वर आपके अंदर कुछ सुंदर, आशा और आनंद से भरा भविष्य उगा रहे हैं।

बड़े लोग

आज, बड़े लोग भारत के युवाओं के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वे परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि निराशा और दुखी विचारों पर विराम लगाएं, और उम्मीद से भरे साहसी युवा विश्वासियों को आगे बढ़ायें।

चलिए प्रार्थना करें

> प्रभु, भारत के युवाओं को कल के लिए उम्मीद और आनंद दें।

> यीशु, आज हिंदू बच्चों के दिलों में विश्वास के बीज बो दीजिये

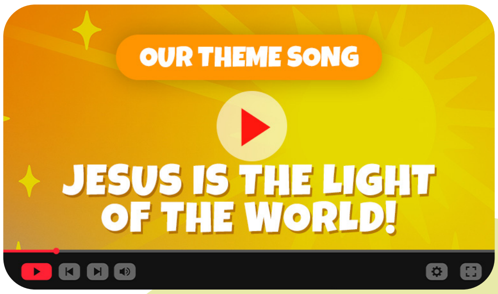

आज का गीत:

धन्यवाद

हमारे साथ हिंदू विश्व के लिए प्रार्थना करने के लिए धन्यवाद।
समाचार और भविष्य की प्रार्थना गाइड्स के लिए यहाँ साइन अप करें

2 BILLION CHILDREN

द्वारा प्रस्तुत www.2bc.world

www.110cities.com

यह गाइड 2BC टीम द्वारा International Prayer Connect और ऊपर दिए गए पार्टनर्स के साथ मिलकर रिसर्च और लिखी गई है। चित्र मशीन द्वारा बनाए गए हैं और केवल उदाहरण के लिए हैं। किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से कोई समानता पूरी तरह संयोग है। यह संसाधन केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए मुफ्त में दिया गया है। अगर आप इसे व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुन: प्रकाशित, वितरित या दोबारा उपयोग करना चाहते हैं तो कृपया हमसे संपर्क करें। www-2bc-world

ज्योति कहानी में

बच्चों के लिए प्रार्थना गाइड

17 - 26 अक्टूबर 2025

यीशु के दृष्टान्तों को जानें, प्रार्थना में बढ़ें, और उसकी ज्योति चमकाएँ!

हिंदू दुनिया के लिए बच्चों की 10 दिन की प्रार्थनाएँ

2 BILLION CHILDREN · 110 Cities · 24:14 · WEA WORLD EVANGELICAL ALLIANCE · PRAYER TOOLS

www.110cities.com